an>

Title: Need to set up a Commission for farmers.

श्री संजय काका पाटील (सांगली) : माननीय अध्यक्ष जी, शून्यकाल में किसानों के उत्थान जैसे गंभीर विषय पर मुझे बोलने का आपने अवसर दिया है, इसके लिए मैं आपको बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूं।

मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान इस ओर आकृष्ट करना चाहता हूं कि हमारा देश कृषि प्रधान देश है। देश की 80 प्रतिशत आबादी कृÂिा पर निर्भर है। हम जब खाना खाने के लिए बैठते हैं, उससे पहले हमें किसानों का शुक्रिया अदा करना चाहिए कि उन्हीं के उपजाये हुए अनाज को हम ग्रहण करते हैं। मैं देश के सभी किसान भाइयों का इस सदन के माध्यम से नमन करता हूं। सभी क्षेत्र में आधुनिक तकनीक के कारण विकास हुआ है, लेकिन कृषि के क्षेत्र में आज भी परम्परागत पद्धति का ही उपयोग हो रहा है।

कृषि के क्षेत्र में सरकार की कई परियोजनाएं चल रही हैं। इसके बावजूद किसानों की आर्थिक दशा में महत्वपूर्ण बदलाव नहीं आया है, बल्कि दिन-प्रतिदिन स्थिति और भी खराब होती जा रही है। मैं आपके माध्यम से सरकार से मांग करता हूं कि किसानों की खराब स्थिति को बेहतर बनाने के लिए राज्य और केन्द्रीय स्तर पर एक किसान आयोग का गठन किया जाए। साथ ही साथ, कृषि को उद्योग का दर्जा दिया जाये ताकि कृषि क्षेत्र में निवेश की भारी संभावना बढ़े, किसान वैधानिक तरीके से खेती कर सके और उसके लिए जरूरी सभी उपकरण आसानी से उपलब्ध हो सके। कृÂिा और किसानों के लिए बजट में विशेष प्रावधान किया जाये और किसानों से संबंधित सभी उपकरणों पर सब्सिडी उपलब्ध करायी जाये।

माननीय अध्यक्ष : श्री भैरों प्रसाद मिश्र और श्री शरद त्रिपाठी को श्री संजय काका पाटील द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।